जाते है।

	लकार	अर्थ	पहचान
1)	लट् लकार	वर्तमान काल	ता है, ते हैं।
2)	लोट् लकार	आज्ञार्थ काल	आज्ञा के अर्थ में।
3)	विधिलिंङ् लकार	चाहिए के अर्थ में	चाहिए।
4)	लङ् लकार	भूतकाल	था, थी, थे, या, ये, यी।
5)	लृट् लकार	भविष्यत् काल	गा, गे, गी।

5.2.5.1. लट् लकार (वर्तमान काल)

जब हिन्दी के वाक्य के अन्त में 'ता है', 'ती है', 'ते हैं' आते हैं तो वहाँ लट् लकार (वर्तमान काल) होता है। **यथा–**

1) वह जाता है। सः गच्छति।
2) तुम खाना खाते हो। त्वं भोजनम् खादसि।
3) मैं पत्र पढ़ता हूँ। अहं पत्रम् पठामि।

प्रत्येक लकार में क्रिया के नौ रूप होते हैं। उनका प्रयोग कर्त्ता के पुरुष तथा वचन के अनुसार किया जाता है।

पठ् धातु (पढ़ना) का प्रयोग

लट् लकार (प्रयोग चक्र)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	सः पठति। (वह पढ़ता है।)	तौ पठतः। (वे दोनों पढ़ते हैं।)	ते पठन्ति। (वे सब पढ़ते हैं।)
मध्यम पुरुष	त्वं पठसि। (तुम पढ़ते हो।)	युवां पठथः। (तुम दोनों पढ़ते हो।)	यूयं पठथ। (तुम सब पढ़ते हो।)
उत्तम पुरुष	अहं पठामि। (मैं पढ़ता हूँ।)	आवां पठावः। (हम दोनों पढ़ते हैं।)	वयं पठामः। (हम सब पढ़ते हैं।)

5.2.5.2. लोट् लकार (आज्ञार्थक)

जब वाक्य में आज्ञा, अनुमति, प्रार्थना, आशीर्वाद व इच्छा प्रकट की जाती है तो वहाँ लोट् लकार होता है। **यथा–**

1) त्वम् पठ। तुम पढ़ो।
2) मित्रम् क्रीडतु मित्र खेलें।

लोट् लकार (प्रयोग चक्र)– धातु–गम् (जाना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	सः गच्छतु। (वह जाए)	तौ गच्छताम्। (वे दोनों जाएँ)	ते गच्छन्तु। (वे सब जाएँ)
मध्यम पुरुष	त्वं गच्छ। (तुम जाओ)	युवां गच्छतम्। (तुम दोनो जाओ)	यूयं गच्छत। (तुम सब जाओ)
उत्तम पुरुष	अहं गच्छामि। (मैं जाऊँ)	आवां गच्छावः। (हम दोनों जाएँ)	वयं गच्छामः (हम सब जाएँ)

5.2.5.3. विधिलिंङ् लकार (चाहिए के प्रयोग में)

जब हिन्दी वाक्य के अन्त में 'चाहिए' शब्द का प्रयोग होता है, तो वहाँ विधिलिंङ् लकार होता है। **यथा–**

1) छात्राः पठेयुः। छात्रों को पढ़ना चाहिए।
2) राम को जाना चाहिए। रामः गच्छेत्।

प्रयोग चक्र– धातु–पा (पीना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	सः पिबेत् (उसे पीना चाहिए।)	तौ पिबेताम् (उन दोनों को पीना चाहिए)	ते पिबेयुः (उन सब को पीना चाहिए)
मध्यम पुरुष	त्वं पिबेः (तुम्हें पीना चाहिए)	युवां पिबेतम् (तुम दोनों को पीना चाहिए)	यूयं पिबेत (तुम सब को पीना चाहिए)
उत्तम पुरुष	अहं पिबेयम् (मुझे पीना चाहिए)	आवां पिबेव (हम दोनों को पीना चाहिए)	वयं पिबेम (हम सबको पीना चाहिए)

5.2.5.4. लङ् लकार (भूतकाल)

जब हिन्दी वाक्य के अन्त में था, थी, थे, या, यी, ये, ई आदि होते हैं तो वहाँ भूतकाल होता है। **यथा–**

1) मैंने खाना खाया। अहं भोजनम् अखादम्।
2) सीता ने नृत्य किया। सीता अनृत्यत्।

प्रयोग चक्र– धातु–पठ (पढ़ना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	सः अपठत्। (वह पढ़ता था।)	तौ अपठताम्। (वे दोनो पढ़ते थे।)	ते अपठन्। (वे सब पढ़ते थे)
मध्यम पुरुष	त्वम् अपठः। (तुम पढ़ते थे।)	युवाम् अपठतम्। (तुम दोनो पढ़ते थे।)	यूयम् अपठत। (तुम सब पढ़ते थे।)
उत्तम पुरुष	अहम् अपठम्। (मैं पढ़ता था।)	आवाम् अपठाव। (हम दोनों पढ़ते थे।)	वयम् अपठाम। (हम सब पढ़ते थे।)

5.2.5.5. लृट् लकार (भविष्यतकाल)

जब हिन्दी वाक्य के अन्त में गा, गी, गे का प्रयोग होता है, तो वह लृट् लकार (भविष्यतकाल) होता है। **यथा–**

1) मैं दूध पीऊंगा। अहं दुग्धं पास्यामि।
2) तुम पत्र लिखोगे। त्वम् पत्रम् लेखिष्यसि।

प्रयोग चक्र– धातु–लिख् (लिखना)

पुरुष	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरुष	सः लेखिष्यति (वह लिखेगा)	तौ लेखिष्यतः (वे दोनों लिखेंगे)	ते लेखिष्यन्ति (वे सब लिखेंगे)
मध्यम पुरुष	त्वम् लेखिष्यसि (तुम लिखोगे)	युवाम् लेखिष्यथः (तुम दोनों लिखोगे)	यूयम् लेखिष्यथ (तुम सब लिखोगे)
उत्तम पुरुष	अहम् लेखिष्यामि (मैं लिखूंगा)	आवाम् लेखिष्यावः (हम दोनों लिखेंगे)	वयम् लेखिष्यामः (हम सब लिखेंगे)

5.2.6. अनुवाद के कुछ सामान्य नियम

अनुवाद के कुछ सामान्य नियम इस प्रकार हैं–

1) जब वाक्य का कर्त्ता अथवा एवं या से जुड़े हों तो क्रिया अपने समीप वाले कर्त्ता के पुरुष के अनुसार प्रयोग की जाती है। **यथा–**

तुम या राम खाना खाओगे।
त्वम् रामः वा भोजनं खादिष्यति।

2) जब मध्यम पुरुष के साथ प्रथम पुरुष का कर्त्ता 'और' शब्द से जुड़ा हो, तो क्रिया मध्यम पुरुष के कर्ता के वचन के अनुसार प्रयोग की जाती है। **यथा–**

तुम, सुरेश और रमेश जाओगे।
त्वम्, सुरेशः रमेशः च गमिष्यथ।

3) जब मध्यम पुरुष के साथ उत्तम पुरुष का कर्त्ता 'और' शब्द से जुड़ा हो, तो क्रिया दोनो के सम्मिलित वचन के अनुसार उत्तम पुरुष की होगी।

यथा– तुम और हम फल खाएँगे।
त्वम् अहम् च फलं खादिष्यावः।

4) जब प्रथम पुरुष के साथ उत्तम पुरुष का कर्त्ता 'और' शब्द से जुड़ा हो तो क्रिया दोनों के सम्मिलित वचन के अनुसार उत्तम पुरुष की होगी।

यथा– राधा और मैं दौड़ेंगे।
राधा अहम् च धाविष्यावः।

5) जब एक ही वाक्य में प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष तथा उत्तम पुरुष के कर्त्ता 'और' शब्द से जुड़े हों तो क्रिया उत्तम पुरुष बहुवचन की प्रयुक्त होगी।

यथा– मोहन, हम और तुम पुस्तकालय जाएंगे।
मोहनः अहम्, त्वम च पुस्तकालयम् गमिष्यामः।

6) जब प्रथम पुरु"ा के दो कर्त्ता 'वा' 'या' 'अथवा' से जुड़े हों तो क्रिया प्रथम पुरुष एकवचन की प्रयुक्त होगी।

यथा– राधा या रमा दिल्ली जाएगी।
राधा रमा वा दिल्ली नगरं गमिष्यति।

7) जब प्रथम पुरुष के दो कर्त्ता 'और' शब्द से जुड़े हों तो क्रिया प्रथम पुरुष द्विवचन की होगी। **यथा–**

राम और श्याम विद्यालय जाते हैं।
रामः श्यामः च विद्यालयं गच्छतः।

8) जब वाक्य में भूतकाल की क्रिया का प्रयोग हो तथा क्रिया के रूप न आते हों तो लट् लकार की क्रिया के अन्त में 'स्म' शब्द जोड़ देते हैं।

यथा– वह गाँव में रहती थी।
सा ग्रामे निवसति स्म।

9) जब वाक्य में विशेषण शब्दों का प्रयोग किया गया हो तो विशेषण शब्द के रूप विशेष्य के लिंग, वचन तथा विभक्ति के अनुसार ही प्रयोग किए जाते हैं। **यथा–**

i) सीमा एक सुन्दर कन्या है।
सीमा एका सुन्दरी कन्या अस्ति।

ii) मोहन एक सुन्दर लड़का है।
मोहनः एकः सुन्दरः बालकः अस्ति।